

(formerly YMCA University of Science and Technology) A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस वि.वि. में लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र, सालाना होगी 20 लाख की बचत

फरीदाबाद,11दिसम्बर(महावीर गोयल): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए प्राचानका विश्वविद्यालय, प्राइर्क्सार, फरीदाबाद का परिसर जल्द ही सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए आज अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौते किया है, जिसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को उपस्थिति में सौर ऊर्जा संयंत्र को स्थापना को लेकर समझौता हस्तांतरित करते हुए कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग ।(छाया: एस शर्मा) कमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया गया। समझौते

के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट

इस समझत क तस्त कपना टनका आवर पर 286 क्रांसवाट क रूटॉप सोलर प्लांट को शुरू करेगी और अगले 25 वर्षों तक अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसकों) के मॉडल पर इसका संचालन और रखरखाव करेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की कोई लागत नहीं आयेगी। अथय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल के तहत संयंत्र से उत्पन्न होने वाली बिजली की आपूर्ति विश्वविद्यालय को अगले 25 वर्षों तक 3.30 रुपये प्रति यूनिट की लागत से होगी। - सोमबीर सिंह, परियोजना अधिकारी. हरेडा क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना. संचालन

इस समझौते के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर २६६ किलोवाट के

एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा। कुलपित प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से नि:शुल्क होगा क्योंकि इस

और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है।उन्होंने कहा

कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली ाक प्रस्तावित सालर प्लाट सं विजला उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के विजली विलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही उनके कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। इस अवसर पर निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली, एसडीई अनिल कुमार शर्मा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग से परियोजना अधिकारी विरेंद्र सिंह और सहायक परियोजना अधिकारी रविकांत और सनस्रोत एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा से अमित राज और सुश्री पदाजा बापतला भी उपस्थित थीं क्लुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने कहा कि कंपनी नेविश्वविद्यालय परिसर

में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम शक्षां के ब्लाक और शक्तुतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की हैं, जहां एक बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती हैं। इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना का कार्य मार्च, 2021 के अंत तक पूरा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जोकि ग्रिड टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर Edition: faridabad kesari, Page no. 1



(formerly YMCA University of Science and Technology) A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING: 12.12.2020

PUNJAB KESARI

'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' विश्वविद्यालय ने ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किया समझौता

विवि में लगेगा २६६ किलोवाट क्षमता का संयंत्र, सालाना होगी २० लाख की बचत

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का परिसर जल्द ही सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हए आज अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौते किया है, जिसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया गया। समझौते के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से नि:शुल्क



विश्वविद्यालय को 25 वर्षों तक मिलेगी रियायती दरों पर बिजली, 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' होगा पुरा

विवि को ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित करना है लक्ष्यः प्रो. दिनेश

होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसी के दृष्टिगत सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा व्यक्त की गई थी और प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही उनके कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय को हाल ही में अपने भवन में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों को बढावा देने के लिए राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार में

प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक. शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां एक बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती

इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना का कार्य मार्च, 2021 के अंत तक परा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जोकि ग्रिड टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर विश्वविद्यालय की सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी। इस समय विश्वविद्यालय का मासिक बिजली बिल प्रतिमाह औसतन 8 लाख रुपये आता है। हरेडा के परियोजना अधिकारी श्री सोमबीर सिंह ने बताया कि इस समझौते के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर 266 किलोवाट के रूटॉप सोलर प्लांट को शुरू करेगी और अगले 25 वर्षों तक अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल पर इसका संचालन और रखरखाव करेगी।

Sat, 12 December 2020 mpaper.punjabkesari.com/c/56974089





(formerly YMCA University of Science and Technology) A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING: 12.12.2020

IHNDUSTAN

विश्वविद्यालय ने बिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किया समझौता. योजना के तहत २६६ किलोबाट क्षमता का संयंत्र लगाया जाएगा

ाईएमसीए विश्वविद्यालय का परिसर नए साल में पूरी तरह सौर ऊर्जा से लैस होगा



फरीटाबाट | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जेसी बोस पिजान एयं जीयोधिकी विश्वविद्यालयाल्य, वाईप्यसीए का पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपीक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की और एक बड़ा करम उठाते हुए शुक्रवार को परिसर में ग्रिड कनोल्टेड रूप्टर्श पर का प्रकार के लिए एक सीलर एनजी कंपनी के स्वाथ समझौत किया है। इस समझौते

के मुताबिक विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 तक पूरी तक से सौर उजाँ पर संचालित होगा कुलसविच ग्री. दिश्ये कुमा की अधिवर्धि में कुलसविचव डॉ. मुनील कुमार गर्ग ने न्योतिकल्प परक्ष मुंची सुबंध प्रवेश लिमिटेड के साथ समझीते पर हसाबार किए। गौरतलब है कि ज्योतिकरण एमजी मुंबई प्राइटर लिमिटेड सनसीस एमजी गुंबर लिमिटेड सनसीस एमजी गुंबर लिमिटेड सनसीस एमजी कुलसी ग्री. दिश्य कुमार ने बताय कि समझीत के तत्त कंभनी की और से एसियाण सरकार के नेवीन पर नवीकरणीय सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय

ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग स्थात (रुवा) के कारणा स्थान के स्थान स्थान है । किरानाय में 266 किरानाय क्षमता के ग्रिड के नक्टेड किरानाय क्षमता के ग्रिड के नक्टेड किरानाय कारणा में विश्वविद्यालय के लिए पूरी तक से मिलुक्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संगंत्र की स्थापना, संचालन और स्थापना, संचालन और स्थापना, संचालन और स्थापना के सम्बाद कुरानाय के स्थापना के स्थाप से विश्वविद्यालय में 266

मार्च २०२० तक होगा योजना का काम पूरा

एसके गर्ग ने कहा कि कंपनी ने विश्वी कुन्तर्सचिव हीं, एसके गर्ग ने कहा कि कामी ने विवर्वविवातत्व परिसर में मुख्य रूप से आपनास्त्रिक ब्लॉज इंडीलिक ब्लॉज और कुंक्तस्त समागत्त्र तेत्री प्रमुख सम्तर्ता पर सौर पैनन स्थापित करने के लिए जगह चुनी है। इन सभी जगहों पर बिजली की आपूर्ति की सबसे जयाद करने होती है। इस समझती के अनुसार और कजी संवर्व जयाद करना होती है। इस समझती के अनुसार और कजी संवर्व जया के स्थापन का काम मार्च, 7021 के उत्तर कर पूर्व हो हागा आपने अवीत 2021 से इस समझती के उत्तर प्रमुख स्थापन के अवीत 2021 से इस समझती कर पूर्व होता होगा अवीत 2021 से इस समझती कर प्रमुख समझता होने पर प्रस्तिमी, जातिक प्रितर होने पर सिर्माण, जातिक प्रितर होने स्थापन होने पर प्रश्वविवात्वय की सालाना कम से कम 20 लाख कपये की बनत होगी। इस समय विश्वविवात्वय का मारिक बिजली वितर प्रतिमाह औसतन आठ लाख रुपये आता है।

दिया गया था। उन्हान कहा। क प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा जताते हुए प्रस्ताव

25 सालों तक मिलेगी विवि को कम दरों पर बिजली

हरेडा के परियोजना अधिकारी सीमबीर सिंह ने बताया कि इस समझौत के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर 266 कितोबाट के रूटोंप सीलर पार्टा को शुरू करोगी और अगले 25 वर्षों कठ अक्षय ऊर्जी सेवा कंपनी (रेसको) के मोडत पर इसका संवालन और राज्यवात कोणी टर्जा कि कि बुल करना आतं आप १८ वर्षा तथा अवस्य ठंजा संक्रमा उपना (स्वया) मॉडल पर इसका संवालन और रखरखाव करेगी। इसके लिए विश्वविद्याल को कोई लागत नहीं आएगी। अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेसको) के मॉडल के तहत संयंत्र से उत्पन्न होने वाली बिजली की आपूर्ति विश्वविद्यालय को अगले 25 वर्षों तक 3.30 रुपये प्रति युनिय की लागत से होगी। मौके पर निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली, एसडीई अनिल कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिमन' को भी पुरा करेगा और स्वेत कि लिए राज्य स्तरीय ऊर्जा संख्या ही उनके कार्बन उत्स्वर्न भी कम होगा हाल ही में अपने पवन में की प्रथम पुरस्कार भी प्रापत हुआ है।



(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING: 12.12.2020

THE PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय अगले साल सौर बिजली से जगमग होगा

विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ

फरीदाबाद के जेसीबोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए गुरुवार को अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया है। विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।



विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि कुलपित प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थित में कुलसिवव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझोता किया। ज्योति किरन एनर्जी सनसोसं एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है। समझौते के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जी विकास एजेंसी

(हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा।

कुलपित प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से नि:शुल्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसी के मद्देनजर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा व्यक्त की गई थी और प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।



(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING: 12.12.2020

AMAR UJALA

सौर ऊर्जा से संचालित होगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा युक्त हो जाएगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया। इसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर



अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा। विश्वविद्यालय परिसर में 266 किलोवाट क्षमता का संयंत्र लगाए जाने के बाद इससे करीब 20 लाख रुपये सालाना बचत होगी। कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थित में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया। ब्यूरो